B.Com (H)

P2 - A/cs & Finance (H)

Paper - I (Financial Account)

Date - 02.07.2020

प्रो० धनंजय कुमार
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
V.S.J. महाविद्यालय राजनगर
(मधुबनी)

UNIT - II

TOPIC - ROYALTY ACCOUNT

सामान्यतः किसी निश्चित उद्देश्य के लिए तथा निश्चित अवधि में किसी संपत्ति के विशेषाधिकार को प्रयोग करने के उपलक्ष्य में प्रतिफल के रूप में समझौते के अनुसार निर्धारित शर्तों के आधार पर देय राशि को अधिकार शुल्क (Royalty) कहा जाता है. यह राशि मुख्य रूप से प्रतिशत के हिसाब से या उत्पादन, विक्रय व प्रयोग की इकाई के हिसाब से तय की जाती है.

कुछ विद्वानों द्वारा अधिकार शुल्क को निम्न प्रकार से परिभाषित किया गया है —

1. जे. आर. बॉटलीबॉय के अनुसार — "अधिकार शुल्क उस राशि को प्रकट करता है जो एक व्यक्ति द्वारा, दूसरे व्यक्ति को उसके द्वारा दिये गये विशेषाधिकार के उपलक्ष्य में दी जाती है."

2. पिकिल्स के अनुसार — "संपत्ति के प्रयोग के संबंध में एक व्यक्ति को देय पारिश्रमिक अधिकार शुल्क है चाहे इसे उस व्यक्ति से किराये पर लिया हो या क्रय किया हो."

3. कॉटर के अनुसार — "अधिकार शुल्क का अर्थ किराये के रूप एक राशि देने से है जो कि निश्चित प्रकार की संपत्तियों के प्रयोग करने व पैदा करने के अधिकार के लिए दी जाती है."

Scanned with CamScanner

उपरोक्त परिभाषाओं से स्पष्ट होता है कि अधिकार शुल्क वास्तव में संपत्ति के प्रयोग के विशेषाधिकार का प्रतिफल होता है जो संपत्ति के मालिक को उसके द्वारा हुए समझौते के अनुसार तय की जाती है.

अधिकार शुल्क की निम्न विशेषताएँ (लक्षण) स्पष्ट होते हैं :—

(i) निश्चित उद्देश्य की पूर्ति हेतु दिया जाना.

(ii) निश्चित अवधि के पश्चात् शुल्क का भुगतान होना.

(iii) विशेषाधिकार प्रयोग का प्रतिफल होना.

(iv) शुल्क का निर्धारण समझौते के आधार पर होना.

(v) विशेषाधिकार का प्रयोग, उत्पादन, प्रयोग, व बिक्री के लिए किया जाना तथा.

(vi) शुल्क का निर्धारण एक निश्चित दर पर होना —

Royalty Account में प्रयोग होने वाले कुछ तकनीकी शब्द हैं जिसका स्पष्टीकरण निम्न प्रकार से किया गया है —

(a) <u>Royalty</u> (अधिकार शुल्क) → यह एक ऐसा शुल्क है जो पट्टाधारी (lessee) द्वारा मालिक के संपत्ति को प्रयोग में लाने के लिए मालिक (landlord) को दिया जाता है. इसे निम्न प्रकार से ज्ञात किया जाता है —

Royalty = Production × Rate

(b) <u>Minimum Rent</u> (न्यूनतम किराया) → वास्तव में मालिक को अधिकार शुल्क दिया जाता है, परन्तु वह

Scanned with CamScanner

एक न्यूनतम राशि राशि निर्धारित कर देता है जिसे न्यूनतम किराया कहा जाता है।

(c) **Short-Working** (अल्प कार्य) → यह मालिक को lessee द्वारा अग्रिम भुगतान होता है, Royalty से जो भी राशि अतिरिक्त मालिक को दिया जाता है उसे short-working कहा जाता है। इस अग्रिम भुगतान का Adjustment एक निश्चित समय के अंदर Minimum Rent से Royalty अधिक होने पर surplus से की जाती है।

| Short-working = Minimum Rent − Royalty |

(d) **Surplus** (आधिक्य) → जब Royalty की राशि Minimum Rent से अधिक होती है तो यह स्थिति lessee द्वारा surplus की होती है। इसी surplus से short working की वसूली की जाती है।

| Surplus = Royalty − Minimum Rent |

(e) **Unrecouped short working** → जब short working की राशि जो मालिक द्वारा निर्धारित समय के अंदर समायोजित नहीं हो पाती है, उसे Unrecouped short working कहा जाता है, तथा समय समाप्ति के पश्चात् इसे statement of Profit & loss Account में हस्तांतरित कर दिया जाता है।

नोट:- Short working (अल्प कार्य) की राशि को अपलिखित (Writing-off) करने के लिए कोई वैधानिक नियम नहीं है, बल्कि इससे संबंधित सभी शर्तें

losses तथा lessee के आपत्ती प्रसंविदे द्वारा तय की जाती है। Lessor/lessee के संबंध में अपरिरक्षण करने के संबंध में सामान्यतः नहीं के संबंध में अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। Shortworking संबंधित शर्तें इस प्रकार हैं :—

(i) Short working will be recouped in the first .... years. इसका मतलब प्रारंभ से दी गई वर्षों के अंदर ही समायोजन करना, समय समाप्ति के पश्चात् बचे हुए Unrecouped shortworking को लाभ-हानि विवरण में स्थानांतरित करना है।

जैसे :— First Four years. दिया गया है तो इसका अर्थ प्रारंभ से चार वर्षों के अंदर ही Shortworking का Adjustment करना, यदि Unrecouped short working है तो चौथे वर्ष में लाभ-हानि विवरण में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

(ii) Short working of any year will be recouped in the next / subsequent / ~~following~~ following .... years. इसका अर्थ जब-जब short working है तो इसका Adjustment बाद वाले वर्षों में किया जाएगा। समय समाप्त होने पर बचे हुए Unrecouped Short working को Statement of Profit & loss में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

—— x ——